

कब्बी और छोटी-सी हरी पॉटी

CooCubby · हिन्दी · Cubby and the Little Green Potty



नई छोटी-सी हरी पॉटी!

एक सुबह बाथरूम में कुछ नया था। एक छोटी-सी हरी पॉटी, बिल्कुल कब्बी के साइज़ की!



कब्बी बैठा। कुछ नहीं हुआ।

कब्बी कपड़े पहने ही पॉटी पर बैठ गया। उसने कहा, “कुछ हो ही नहीं रहा।” ममा बेयर धीरे से हँसीं। “कोई बात नहीं। अभी तो हम बस हेलो बोल रहे हैं।”



डिली खेलने आई।

नन्ही बत्तख डिली अपने छोटे-से लाल बूट्स में छप-छप करती अंदर आई। “पॉटी? मुझे तो पॉटी के बारे में सब पता है!”



पेट में हलचल? पॉटी का टाइम!

डिली बोली, “जब पेट में हलचल हो, हिल-हिल करे, तो समझो पॉटी का टाइम है!” कब्बी ने भी हिल-हिलकर प्रैक्टिस की।



नाश्ता और खूब सारा पानी।

नाश्ते में कब्बी ने गरम-गरम दलिया खाया और पूरा एक कप पानी पिया। गट-गट-गट!



ओह! पेट में हलचल!

फिर सच में पेट में हलचल हुई। हिल-हिल! “ओह!” कब्बी बोला। “ममा, लगता है पॉटी का टाइम हो गया!”



जल्दी-जल्दी पॉटी पर!

कब्बी भागकर बाथरूम गया। ममा बेयर ने उसकी पैंट नीचे करने में मदद की। वह छोटी-सी हरी पॉटी पर बैठ गया।



छर्रर्र!

कब्बी थोड़ा रुका। वह धीरे-धीरे एक गाना गुनगुनाने लगा। और फिर... छर्रर्र! “मैंने कर लिया!” कब्बी बोला।



हाथ धोओ, धोओ, धोओ!

ममा बेयर ने कब्बी को फ्लश करने और हाथ धोने में मदद की। साबुन के बुलबुले हर तरफ उड़ने लगे। डिली खुशी से बोली, “क्वैक-क्वैक! वाह, कब्बी!”



कब्बी की पॉटी। कब्बी का दिन।

उस रात कब्बी ने छोटी-सी हरी पॉटी को प्यार से थपथपाया। “कल फिर मिलेंगे, पॉटी,” उसने धीरे से कहा। और अगले दिन वह फिर आया।



CooCubby

Free picture stories for little ones, in 8 Indian languages

coocubby.com